अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई

परीक्षा सत्र : अप्रैल/मई 2021

परीक्षा का नाम : मध्यमा प्रथम

विषय : तबला-पखावज

दि. 10/10/2021 समय : दोपहर 2 से 5 कुल अंक : 75

सूचनाएँ : (१) किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
(२) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं

प्र. 1. रिक्त स्थानों की पूर्ती कीजिए। (15)

(1) तिहाई का ---- यह एक प्रकार है।
(पलटा, दोहरा, दमदार)

(2) विलंबित खयाल के साथ प्राय: ---- बजाया जाता है।
(सुलताल, रूपक, एकताल)

(3) बेदम यह ---- का प्रकार है।
(कायदा, किस्म, तिहाई)

(4) x o ⌣ । ये चिन्ह ------ लिपी है।
(पं. पलुस्कर / पं, भातखंडे)

(5) धृपद गायन प्रायह ------ ताल में होता है।
(चौताल/तिलवाडा/झपताल)

(6) ------ ताल में लग्गी वादन नही होता।
(दादरा/केरवा/एकताल)

(7) झपताल और ------- ताल की मात्रा समान है।
(तेवरा/सुलताल/धुमाळी)

(8) ------और ------ कि मात्राएँ 12 है।
(सुलताल/रुपक,तीनताल/आदिताल, एकताल चौताल)

(9) सुगम संगीत साथ के प्रमुख ताल ----- है।
(दादरा, केरवा/धुमाळी एकताल)

(10) नोम तोम शब्द प्रयोग ----- गायकी में होता है।
(गझल/तराना/धृपद)

(11) आडाचौताल में तालियाँ 1, 3, ----- व ----- . मात्राओंपर दी जाती है। (7, 11/6, 10/8, 12)

(12) 'थाँपिया बाज'-----घराने का नाम है।
(दिल्ली, लखनौ, फर्रूखाबाद)

(13) ----- यह पखावजी ताल है।
(दिपचंदी, तिलवाडा, धमार)

(14) विलंबित ख्याल गायन प्राय: ----- ताल में किया जाता है। (रूपक, झपताल, एकताल)

(15) फरमाईशी चक्रदार में कुल ----- 'धा' होते हैं।
(9, 10, 11)

प्र. 2. योग्य पर्याय चुने : **(15)**

(1) कौनसे ताल में दो खाली चार ताली होती है।
(1) एकताल (2) धमार (3) तिलवाडा

(2) जो बोल समुह ताल की अंतिम 2 या 4 मात्रा मे तिहाई बिना सम पे आता है उस बोल को क्या कहते है।
(1) तुकडा (2) मुखडा (3) गत

(3) कौनसे ताल में खाली नही होती।
(1) रूपक (2) तेवरा (3) सुलताल

(4) निम्न कलाकारों में से कौनसे कलाकार बनारस घराने के मशहूर तबला वादक है।

(1) पं. सपन चौधरी (2) पं. सामता प्रसाद

(3) उ. झाकीर हुसेन

(5) कौनसा प्रकार द्रूत लय में गाया जाता है।

(1) गझल (2) ठुमरी (3) तराना

(6) कौनसा बाज खुला बाज है।

(1) दिल्ली (2) लखनौ (3) अजराडा

(7) तीलवाडा ताल, कौनसे गायकी के घराने मे साथ संगत होती है।

(1) किराना (2) ग्वाल्हेर (3) जयपूर

(8) दिपचंदी ताल में कितने अवग्रह है।

(1) 2 (2) 3 (3) 4

(9) आडा चौताल में कितनी टाली होती है।

(1) 3 (2) 4 (3) 2

(10) त्रिताल (मात्रा 16) में 5 मात्रा से शुरू होनेवाली तिहाई (एक आवर्तन) सम तक कितनी मात्रा में बजेगी।

(1) 11 (2) 10 (3) 12

(11) निम्नलिखित में से कौनसे ताल में 3 खाली होती है।

(1) चौताल (2) आडाचौताल (3) धमार

(12) 'धागेतीर ताकेतीर' इस बोल का प्रयोग प्राय: कौनसे रचनाप्रकार में किया जाता है।

(1) तुकडा (2) कायदा (3) रेला

(13) निम्नलिखित में से कौनसे ताल में स्वतंत्र तबलावादन नहीं किया जाता ?

(1) खेमटा (2) झपताल (3) तीनताल

(14) कायदा वादन में 'मुख' के बाद बजायें जानेवाले पहले पलटे को क्या कहते हैं ?

(1) पलटा (2) बल (3) दोहरा

(15) निम्नलिखित में से कौनसी रचना तिहाईसहीत/तिहाईरहीत होती है ?

(1) तुकडा (2) फरमाईशी चक्रदार (3) गत

प्र. 3. जोडिया लगाइएँ : **(15)**

(1)	बेदम तिहाई	(1)	विस्तारक्षम रचना
(2)	X	(2)	पलुस्कर काल चिन्ह
(3)	चक्रधार	(3)	पहिला खंड पाच मात्रा
(4)	धमार	(4)	बंदबाज
(5)	लग्गी	(5)	दम नही होता
(6)	तिलवाडा	(6)	भातखंडे सम का चिन्ह
(7)	दिल्ली घराना	(7)	दादरा केरवा
(8)	तिहाई	(8)	एक तुकडा तीन बार
(9)	कायदा	(9)	बडा ख्याल साथ
(10)	+	(10)	एक ही बोल तीन बार (एक आवर्तन में)
(11)	सूलताल	(11)	कायदा
(12)	तराना	(12)	धुमाळी

(13)	विस्तारक्षम रचना	(13) 16 मात्रा
(14)	अध्दा	(14) 10 मात्रा
(15)	सुगम संगीत (भजन)	(15) अतिद्रुत लय

प्र. 4. सही या गलत लिखकर वाक्य पूरा करे : **(15)**

(1) चौताल ठुमरी के साथ बजाया जाता है।

(2) तबला वादन में पेशकार अंत में बजाया जाता है।

(3) उठाण अजराडा घराने की विशेषता है।

(4) तिहाई मुखडा रचना समान होती है।

(5) काळी एक काळी दो काळी तीन डग्गे के स्वर है।

(6) एक मात्रा काल में तीन/उसके गुण में ली गयी लघुअक्षर संख्यासे निर्मित कायदे को 'तिस्त्र जाती' कायदा कहते हैं।

(7) धमार और आडाचौताल की मात्राएँ समान नहीं होती।

(8) झपताल में लग्गीवादन किया जाता है।

(9) 'गत' यह अविस्तारक्षम रचना होती है।

(10) दिल्ली घराने में 'चाँदी प्रधानता' होती है।

(11) कायदा/रेला का विस्तार 'मुख' के बोलों के आधारपर ही होता है।

(12) 'चौताल' यह ताल धृपद गायन संगीत का प्रमुख ताल है।

(13) 'भजन' यह शास्त्रीय गायन का प्रकार है।

(14) 5+2+3+4 मात्राओं के खंड धमार ताल के है।

(15) सूलताल यह पखावजी ताल है।

प्र. 5. लिपीबध्द करे (कोई तीन) : (15)

(1) त्रिताल या चौताल मे एक रेला तीन पलटे तिहाई।

(2) झपताल या सुलताल में दो तुकडे।

(3) त्रिताल या चौताल में एक फरमाईशी चक्रधार (तीनो आवर्तन लिखे)।

(4) आडा चौताल या सुलताल एकपट दुप्पट (दुगुन) तिगून।

(5) धमार या त्रिताल मे एक गत।

प्र. 6. तबला/पखावज वादक के गुणदोष टिपणी लिखे। (15)

प्र. 7. तबला/पखावज का सचित्र वर्णन करे। (15)

प्र. 8. तबला/पखावज स्वर में मिलाने का विधी स्पष्ट करे। (15)

प्र. 9. चौदह मात्रा के ताल कौनसे है उनकी उपयोगीता बताकर उन्हें लिपीबध्द करें (पं. भातखंडे और पलुस्कर लिपी में)। (15)

प्र. 10. किऽनग तिरकिट या धुमकिट धा निकास का विधी लिखे। (15)